अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–258 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शुक्रवार 17 दिसम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

मम्मी पापा को साथ देख बच्चे के चेहरे पर छाई मुस्कान

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। दिनांक 16.12.2021 को महिला हेल्पडेस्क थाना बिहार में श्रीमती मीना पत्नी राजबाबू निवासी ग्राम मुड़ियनखेड़ा थाना बिहार जनपद उन्नाव द्वारा एक प्रार्थना पत्र देकर यह आरोप लगाया गया कि मेरे पति राजबाबू पुत्र दुर्गाप्रसाद नि0 ग्राम बैजनाथखेड़ा थाना बीघापुर जनपद उन्नाव आपसी मन मुटाव के कारण मुझे अपने साथ रखने को तैयार नहीं हैं तथा काफी समय से मैं अपने मायके में ही रह रही हूँ। प्रार्थना पत्र पर त्वरित कार्यवाही करते हुए महिला हेल्पडेस्क पर मौजूद म0कां0 राधा सिंह द्वारा पीड़िता श्रीमती मीना उपरोक्त के पति राजबाबू को थाने पर बुलाकर दोनों पति – पत्नी में परस्पर वार्ता करायी गयी । परस्पर वार्ता के उपरान्त व महिला हेल्प डेस्क पर मौजूद महिला कर्मचारी के समझाने बुझाने पर दोनों पति पत्नी साथ रहने को खुशी खुशी राजी हो गये ।मम्मी पापा को साथ देखकर उनके बच्चे के चेहरे पर अप्रतिम मुस्कान छा गयी।

उन्नाव। 16– 12– 2021 दिन बृहस्पति वार को गहरा बालाजी धाम मंदिर मैं हर वर्ष की भांति इस बार भी विशाल सुंदरकांड का आयोजन किया गया व हवन किया गया भारी मात्रा में भक्तगण मौजूद रहे व प्रसाद वितरण किया गया

चाचा शिवपाल से मिलने पहुंचे अखिलेश यादव, चुनाव से पहले अखिलेश व शिवपाल की अहम मुलाकात।

प्रदेश में हेड जेल वार्डर संवर्ग के 69 कार्मिकों को मिली उप कारापाल के पद पर प्रोन्नति

अर्पिता

लखनऊ : मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा जहॉ एक ओर प्रदेश की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने

तथा अपराध नियंत्रण पर प्रभावी कार्यवाही के प्रयास किये जा रहे हैं वहीं कारागार विभाग में कार्यरत कर्मियों को भी समय से पदोन्नतियॉ प्रदान की जा रही है। अपर मुख्य सचिव, गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि आज उत्तर प्रदेश कारागार सेवा संवर्ग में हेड जेल वार्डर के पद पर तैनात 69 कार्मिकों को उप कारापाल के पद पर प्रोन्नत किया गया है। प्रदेश के जिन 69 हेड जेल वार्डर को उप कारापाल (वेतनमान रू0 9300–34800 ग्रेड–पे रू0 4600, पुनरीक्षित वेतनमान मैट्रिक्स पे–लेवल–7) के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी है, उन अधिकारियों के नाम क्रमशः सर्व श्री विश्वनाथपुरी, अबसार अहमद, हरिप्रसाद मिश्रा, अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव, लालचन्द ओझा, राम प्रवेश चौरसिया, मो0 एहसान, राम प्रकाश सिंह, महेन्द्र सिंह, लालाराम, उमेश बाबू, जगवीर सिंह चौहान, मुन्नालाल, पुरूषोत्तम सरन, प्रेम नारायण, श्यामा चरण, आनन्द कुमार, सुरेन्द्र कुमार गौतम, नरेन्द्र कुमार, मोतीलाल, अमर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह है। इसी कड़ी में श्रीमती राजेन्द्र कुमारी, सुखवती देवी, कृष्णा कुमारी, कमलेश देवी, मिथलेश भदौरिया, मनोरमा सिंह, लक्ष्मी देवी, रेनू वैदिक, किरन देवी, कुसुम, शारदा देवी, रीता सागर, शीला देवी, संयोगिता यादव, रत्ना सिंह, रामसिया, गीतारानी, माया सिंह, आरती शर्मा, सुलेखापाल, रोशनआरा, रीना तिवारी, कविता कुमारी, अन्जू शर्मा, सुषमा शुक्ला,

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही आधा घंटा के लिये स्थगित

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच राज्य के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों और 2022–23 के आय–व्ययक को सदन के पटल पर रखा। खन्ना ने 2022–23 के एक भाग के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया विपक्षी सदस्यों के हंगामे के चलते विधानसभा की कार्यवाही आधा घंटा के लिए स्थगित कर दी गयी। बश्हस्पतिवार पूर्वाह्न 11 बजे विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के आसन पर बैठते और कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने चंदौली जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक प्रभु नारायण यादव के पुलिस उत्पीड़न का मुद्दा उठाते हुए सदन में चर्चा कराने की मांग की। इस बीच कांग्रेस दल की नेता आराधना मिश्रा मोना केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग

लेकर दल के सदस्यों के साथ अध्यक्ष के आसन के समक्ष में आकर नारेबाजी करने लगीं। इसके बाद सपा और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के सदस्य भी आसन के समक्ष आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों और 2022–23 के आय व्ययक को सदन के पटल पर रखा। हंगामा बढ़ते देख विधानसभा अध्यक्ष दीक्षित ने 11 बजकर 17 मिनट पर विधानसभा की कार्यवाही आधा घंटा के लिए स्थगित कर दी।

उत्तर प्रदेघा विधानसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच 8479.53 करोड़ रूपये का अनुपूरक बजट पेश

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन राज्य सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए 8479.53 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया। राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022–23 के चार महीनों के लिए 1,68,903.23 करोड़ रुपये का लेखानुदान भी विधानसभा में प्रस्तुत किया। राज्य के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के बजट पेश करने के दौरान कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक विधानसभा अध्यक्ष के आसन के समक्ष आकर प्रदर्शन करने लगे। ये सभी लखीमपुर खीरी मामले में केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग कर रहे थे। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के चलते विधानसभा की कार्यवाही पहले आधा घंटा के लिए स्थगित कर दी गयी। बाद में आधा घंटा और फिर 15 मिनट के लिये सदन की कार्यवाही स्थगित की गयी। योगी आदित्यनाथ के नेतश्त्व वाली सरकार ने बश्हस्पतिवार को विधानसभा में चालू वित्तीय वर्ष के लिए 8479.53 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022–23 के चार महीनों (अप्रैल से जुलाई) के लिए 1,68,903.23 करोड़ रुपये का लेखानुदान भी विधानसभा में प्रस्तुत किया। इससे पहले विधानसभा में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों और 2022–23 के आय व्ययक को सदन के पटल पर रखा। खन्ना ने 2022–23 के एक भाग के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया। विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित के बश्हस्पतिवार को पूर्वाह्न 11 बजे आसन पर बैठते और कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने चंदौली जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक प्रभु नारायण यादव के पुलिस उत्पीड़न का मुद्दा उठाते हुए सदन में चर्चा कराने की मांग की। इस बीच कांग्रेस दल की नेता आराधना मिश्रा मोना केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग लेकर दल के सदस्यों के साथ अध्यक्ष के आसन के समक्ष में आकर नारेबाजी करने लगीं। इसके बाद सपा और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के सदस्य भी आसन के समक्ष आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2021–22 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों और 2022–23 के आय व्ययक को सदन के पटल पर रखा। हंगामा बढ़ते देख विधानसभा अध्यक्ष दीक्षित ने 11 बजकर 17 मिनट पर विधानसभा की कार्यवाही आधा घंटा के लिए स्थगित कर दी। उसके बाद 12 बजकर 20 मिनट तक के लिये और फिर 12 बजकर 35 मिनट तक के लिये सदन की कार्यवाही स्थगित की गयी।

प्राकृतिक खेती अपनाएं कम लागत में अधिक लाभ कमाए

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली–सीतापुर। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित प्री – वाइब्रेंट गुजरात समिति 2021 एवं प्राकृतिक कृषि विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सम्बोधन के सजीव प्रसारण कार्यक्रम के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र अम्बरपुर, सीतापुर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

केन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में किसान भाइयों को प्राकृतिक खेती पर चल रहे कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया जिसमें गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने प्राकृतिक खेती के इतिहास, स्वयं का अनुभव एवं प्राकृतिक खेती की तकनीक एवं उसमें प्रयोग होने वाले विभिन्न आदानों को तैयार एवं प्रयोग करने की विधि पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। महामहिम जी ने देसी केचुआ, देसी गाय/घुमन्तू देसी गाय, आच्छादन, वाफसा आदि के प्राकृतिक खेती में योगदान पर अपना अनुभव व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी तथा कहा कि आप लोग खेत के कुछ हिस्से में प्राकृतिक खेती अपनाने का प्रयोग अवश्य करें।

इस कार्यक्रम को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सुनने का नेटवर्क कर लेना केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी

संबोधित किया इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कई प्रदेशों के मंत्रियों, वैज्ञानिकों, किसानों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ सुरेश सिंह ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि खेती– किसानी में रसायनों के अंधाधुंध उपयोग के कारण आज हमारी धरती माता बीमार हो गई है, सारे उत्पाद रसायन युक्त पैदा हो रहे हैं, जल एवं वायु दूषित है जिसके कारण मनुष्यों को नित नई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। अतः प्राकृतिक खेती अपनाने की आवश्यकता है जिससे गाय माता का भी संरक्षण हो सकेगा एवं हमारी खेती रसायन मुक्त होगी। इस कार्यक्रम मे प्रगतिशील किसान दधीचि नारायण शुक्ला ने किसानों से प्राकृतिक खेती के बारे में अपना अनुभव व्यक्त किया तथा किसानों से इसको अपनाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक अमरनाथ सिंह, डॉ उमेश कुमार सिंह, ऋचा सिंह तथा प्रगतिशील किसान हरिश्चंद्र, बसंत कुमार आदि मौजूद थे।

ग्राम पंचायत पेड़ारन मोतीगंज में बंदरो का आतंक

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। मुजेहन ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पेड़ारन में पिछले कुछ दिनों बंदरों ने कोहराम मचा रखा है।दिन प्रतिदिन बंदरों एक झुंड ग्रामीण के किसी न किसी व्यक्ति ऊपर हमला बोल

रहे हैं और लोग बुरी तरह से घायल हैं। (CYSS) आम आदमी पार्टी जिला उपाध्यक्ष गोंडा (यूपी) राज कुमार पटेल जी का कहना है कि कई दिनों से लोग बंदरों के चपेट में आकर लोग लहू लुहान हो रहे हैं।जिसके डर से बच्चे विद्यालय जाने में डरते हैं की कहीं वो बंदरों के हमलवार सिलसिले के चपेट ना आ जाएं और गांव की माताएं बहनें और बुजुर्ग व राहगीर भी डर डर के गांव में निकलते हैं बंदरो ने कई ग्रामीणों पहले ही घायल कर चुका है। घायल होने वाले लोग.. राजा राम वर्मा, दिनेश कुमार वर्मा, बुधराम आदि को घायल कर चुका है। बंदर को पकड़ने के लिए अधाकरियों से गुहार लगाई जा रही है वही मोतीगंज बाजार व आसपास बंदरो का काफी आतंक है यह बंदर मोतीगंज क्षेत्र में दर्जनों लोगों को काट कर घायल भी कर चुके हैं बंदर के काटने से मोतीगंज बाजार निवासी राम सागर ध्रुव मोदनवाल सहित कई अन्य लोग को बंदर काट चुके हैं लेकिन वन विभाग को इसकी शिकायत करने के बावजूद भी कोई कार्रवाई बंदरों पर नहीं हो रही है और सैकड़ों की संख्या में बंदर क्षेत्र में आतंक मचाए हुए हैं।

खबर का असर चार शातिर चोर गिरफ्तार

3 तमंचा मय 3 जिंदा कारतूस, 1 चाकू , चोरी के 6095 रु0 व 420 सिगरेट की डिब्बियां बरामद

अवध की आवाज

उन्नाव। मान पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल मार्गदर्शन एवं श्रीमान

अपर पुलिस अधीक्षक महोदय व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय बीघापुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अचलगंज पुलिस व स्वाट टीम द्वारा चार शातिर चोरों को 03 तमंचा मय 03 जिंदा कारतूस, 01 चाकू , चोरी के 6095 रु0 व 420 सिगरेट की डिब्बियां बरामद कर गिरफ्तार किया गया। थाना अचलगंज पुलिस सहित बदरका चौकी इंचार्ज संदीप कुमार मिश्रा एवं अपने हमराही यू के साथ दिखाई सक्रियता दिखाई और स्वाट टीम भी सक्रियता दिखाई।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एनटीपीसी सिंगरौली में एफजीडी एब्जश्र्बर 2ए इरेक्शन का उद्घाटन

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनटीपीसी सिंगरौली, शक्तिनगर में मुख्य महाप्रबंधक श्री बसुराज गोस्वामी द्वारा एफजीडी एब्जॉर्बर 2ए इरेक्शन का उद्घाटन किया गया। एनटीपीसी सिंगरौली में पर्यावरण संरक्षण उपायों को लागू करने एवं सल्फर डाइऑक्साइड (एसओएक्स) के उत्सर्जन को कम करने के लिए फ्लू–गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) सिस्टम स्थापित किया जा रहा है जिसके तहत कुल तीन एफजीडी चिमनियां स्थापित की जा रही हैं एवं निकट भविष्य में इसका काम पूर्ण हो जाएगा। वातावरण में SO_2 के उत्सर्जन को कम करने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए एनटीपीसी सिंगरौली का यह महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर श्री सी एस श्रीनिवास, महाप्रबंधक (प्रचालन व अनुरक्षण), विनय कुमार अवस्थी, अपर महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं), जितेंद्र पल सिंह, अपर महाप्रबंधक (पी अँड एस), एच एन सिंह अपर महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट कन्स्ट्रकशन), समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया

–जवाहर प्रजापति–

भारतीय सैनिकों की शौर्य गाथाओं से हम परिचित हैं। आज जब भारत की सीमाओं पर शत्रु देश अवसर की ताक में है, हमारी सेनाएं अत्यंत चौकन्ना हैं और इसी वजह से हम और हमारा देश सुरक्षित है।

आज हम स्मरण कर रहे हैं भारत के सैन्य शक्ति के उस शौर्य की, जिसमें 16 दिसंबर 1971 को भारत ने पाकिस्तान के 93 हजार सैनिकों को घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था।

आज हमारा देश ढाका विजय दिवस की 50वीं सालगिरह को एक यादगार के रूप में मना रहा है। यह दिवस आज इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि इस वर्ष भारत स्वतंत्रता का अमश्त महोत्सव मना रहा है। 1971 में बांग्लादेश की आजादी को लेकर भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच यह युद्ध हुआ। इस सीधी लड़ाई में भारतीय सेना के नायक जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल नियाजी ने अपने 93 हजार सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण किया था।

1969 में सेना प्रमुख सैम हॉरमुसजी फ्रेमजी जमशेदजी मानेकशॉ ने जेएफआर जैकब को पूर्वी कमान प्रमुख बना दिया था। जैकब ने 1971 की लड़ाई में अहम भूमिका निभाते हुए दुश्मनों को रणनीतिक मात दी थी। जैकब के मुताबिक 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान में बांग्लादेश) में युद्ध के बादल मंडरा रहे थे। बेहतर जिंदगी की तलाश में बांग्लादेश के शरणार्थी लाखों की संख्या में सीमा पार करके देश के पूर्वी हिस्सों में प्रवेश कर रहे थे। पूर्वी पाकिस्तान में लोग इस्लामी कानूनों के लागू होने और उर्दू को बतौर राष्ट्रीय भाषा बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। इसलिए हालात ज्यादा खतरनाक हो गए थे। पाकिस्तानी फौज को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने वाले जनरल रिटायर्ड जैकब के मुताबिक भारत के तीखे हमलों से परेशान होकर पाकिस्तान की सेना ने संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में युद्ध विराम की पेशकश की, जिसे भारतीय सेना ने चतुराई और पराक्रम से पाकिस्तान के पूर्वी कमान के 93000 सैनिकों के सरेंडर में बदल दिया।

नियाजी के पास ढाका में ही करीब 30 हजार सैनिक थे जबकि भारतीय सैनिकों की संख्या लगभग तीन हजार थी। जैकब के मुताबिक उनके पास कई हफ्तों तक लड़ाई लड़ने की क्षमता थी। अगर नियाजी समर्पण करने की बजाय युद्ध लड़ता तो पोलिश रिजॉल्यूशन जिस पर संयुक्त राष्ट्र में बहस हो रही थी, वह लागू हो जाता और बांग्लादेश की आजादी का सपना अधूरा रह जाता। लेकिन वह समर्पण के लिए तैयार हो गया।

पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश बनाने में अहम भूमिका मुक्ति वाहिनी की रही। मुक्ति वाहिनी ने बांग्लादेश की आजादी के आंदोलन में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। भारत में पूर्वी पाकिस्तान से लगातार आ रहे शरणार्थियों की समस्या से निपटने के लिए भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुक्ति वाहिनी को मजबूत करने का निर्णय लिया। इस फैसले के तहत मुक्ति वाहिनी को हथियार दिए गए।

इसके साथ ही युद्ध खत्म हो गया और बांग्लादेश का उदय हुआ। हार से तिलमिलाए नियाजी ने कहा जैकब ने मुझे ब्लैकमेल किया। पाकिस्तान ने कुछ हफ्तों बाद चीफ जस्टिस हमीदुर रहमान को युद्ध जांच आयोग का प्रमुख बनाकर हार की वजह का पता लगाने का काम सौंपा। कमीशन ने जनरल नियाजी को तलब कर पूछा कि जब ढाका में उनके पास 26400 जवान थे, तब उन्होंने ऐसे शर्मनाक तरीके से क्यों समर्पण किया जबकि वहां सिर्फ कुछ हजार भारतीय फौज थी। जनरल नियाजी ने जवाब दिया, मुझे ऐसा करने पर मजबूर होना पड़ा।

जेएफआर जैकब के मुताबिक 1971 की लड़ाई में पश्चिमी मोर्चे पर रक्षात्मक, आक्रामक और पूर्वी मोर्चे पर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की बेहद आक्रामक रणनीति बनी थी। बारिश रुकने तक बांग्लादेश पर हमला न करने की बात जनरल जैकब ने कही थी। इस बीच जनरल ने युद्ध की सारी तैयारियां पूरी कर लीं। जब युद्ध शुरू हुआ तो जनरल जैकब ने खुलना और चटगांव पर हमला बोलने के आदेश को नजरअंदाज करते हुए ढाका पर फोकस करना उचित समझा। जैकब जब ढाका के पास पहुंचे तो उनके पास 3 हजार जवानों की फौज थी जबकि नियाजी के पास करीब 30 हजार फौजी थे।

नियाजी जानता था कि बंगाली लोग उसके खिलाफ हैं। नियाजी ने संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत युद्ध विराम समझौता करने की पेशकश कर दी। 16 दिसंबर को जैकब बिल्कुल निहत्थे होकर सिर्फ सरेंडर के कागज लेकर नियाजी के मुख्यालय पहुंच गए। समर्पण के कागज जैकब ने खुद ड्राफ्ट किए थे, लेकिन इस पर आलाकमान से मंजूरी नहीं मिली थी। इस बीच राजधानी में मुक्ति वाहिनी और पाकिस्तानी सेना के बीच युद्ध जारी था।

भारत की ओर से पूर्वी कमान का नेतश्त्व कर रहे जेएफआर जैकब ने नियाजी से कहा मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि आप अगर जनता के बीच आत्मसमर्पण करना चाहते हैं तो हम आपकी और आपके फौजियों की सुरक्षा की गारंटी लेते हैं। मैं तुम्हें 30 मिनट देता हूं। अगर तुम कोई फैसला नहीं कर पाए तो मैं हमले का आदेश दे दूंगा। बाद में जैकब, नियाजी के दफ्तर से लौट आए।

उस घटना के संबंध में जैकब बताते हैं कि वे नियाजी के पास दोबारा पहुंचे। उन्होंने मेज पर समर्पण के कागजात रखे हुए थे। मैंने पूछा जनरल क्या आप इसे मंजूर करते हैं? मैंने नियाजी से तीन बार पूछा लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया। इसके बाद पाकिस्तान की सेना ने समर्पण कर दिया।

1971 की लड़ाई में पाकिस्तानी सेना भारतीय फौज के सामने सिर्फ 13 दिनों तक टिक सकी। इतिहास की सबसे कम दिनों तक चलने वाली लड़ाइयों में से एक इस लड़ाई के बाद पाकिस्तान के करीब 93 हजार सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया। आधुनिक सैन्य काल में इस पैमाने पर किसी फौज के आत्मसमर्पण का यह पहला मामला था।

(लेखक, भाजपा के मध्य प्रदेश सह मीडिया प्रभारी हैं।)

13 दिनों में टूट गया था पाकिस्तान

–रमेश शर्मा–

पाकिस्तान भारत का ही हिस्सा है, उसका जन्म भारत की भूमि पर हुआ। वहां रहने वाले लोग भी भारतीय पूर्वजों के वंशज हैं। फिर भी वे लोग दिन–रात भारत के विरुद्ध विष वमन और भारत को मिटाने का दंभ भरते हैं।

पाकिस्तान ऐसा देश है जो अपने जन्म के पहले दिन से नहीं बल्कि अपने गर्भ काल से भारत की धरती पर रक्तपात का षड्यंत्र कर रहा है। इन षड्यंत्रों में सबसे भीषण था 1971 का युद्ध। जो उसने भारत पर थोपा लेकिन बुरी तरह मुंह की खाई। भारत के प्रति उत्तर से मात्र 13 दिनों में वह टूट गया। यह टूटन उसके मनोबल पर भी आई और उसके भू–भाग पर भी।

1971 का यह युद्ध कुल 13 दिनों तक चला था। दुनिया के इतिहास में यह सबसे छोटा निर्णायक युद्ध माना जाता है। इसके समापन के साथ एक नये देश का उदय हुआ जो अब बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। बांग्लादेश के अस्तित्व की भूमिका 1947 में पाकिस्तान के निर्माण के साथ ही पड़ गयी थी। तब यह प्रक्षेत्र पाकिस्तान का हिस्सा बनकर पूर्वी पाकिस्तान कहलाया था। पर भाषा को लेकर मतभेद पहले दिन से था। सल्तनत काल में चले बलपूर्वक धर्मांतरण अभियान में यहाँ के निवासियों की पूजा उपासना पद्धति तो बदल गई थी पर भाषा के प्रति लगाव कम न हुआ था।

बंगाली लोग अपनी राष्ट्रीयता बदलकर पाकिस्तानी के रूप पहचाने जाने लगे लेकिन उन्होंने अपनी मातश्भाषा से लगाव न छोड़ा। वे चाहते थे कि उनकी भाषा बांग्ला ही रहे। जबकि पाकिस्तानी शासक उनकी यह बंगाली पहचान बदलना चाहते थे। वे बलपूर्वक उर्दू और अरबी का दबाव बना रहे थे। संघर्ष यहीं से शुरू हुआ। इसको लेकर 1948 से ही आंदोलन आरंभ हो गये थे। जिसका दमन पाकिस्तान की सरकार और सेना करती रही थी। 1950 में बांग्ला भाषा के लिये एक बड़ा आंदोलन और उसके सैन्य दमन ने पूर्वी पाकिस्तान में निवासरत बंगालियों के मन में विभाजन की धारा खींच दी। यह अंतर्धारा और इसका दमन, दोनों 1968 के बाद तेज हुआ। पूर्वी पाकिस्तान में बाकायदा मुक्ति वाहिनी अस्तित्व में आ गयी और इसके नेता के रूप में शेख मुजीबुर्रहमान को जाना गया।

1970 आते–आते सैनिकों के जुर्म और बंगालियों का दमन व पलायन दोनों बढ़ गये। पाकिस्तानी सैनिक सामूहिक जुर्म ढाने लगे। बड़ी संख्या में बंगाली लोग भारत आकर शरण लेने लगे। 25 मार्च 1971 को बांग्ला अभियान के नेता शेख मुजीबुर्रहमान को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसका भारत ने विरोध किया और मुक्ति वाहनी को नैतिक समर्थन देने की घोषणा भी कर दी। भारतीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आंदोलन को खुला समर्थन दिया और जो लोग भारत आ रहे थे, उन्हें भी पर्याप्त संरक्षण दिया।

पाकिस्तान ने अपनी समस्या का ठीकरा भारत के सिर फोड़ना शुरू किया और दुनिया में यह प्रचार शुरू किया कि भारत अशांति फैला रहा है। इसे लेकर पाकिस्तान में भारत के खिलाफ जुलूस निकलने लगे।भारत के खिलाफ जमकर नारे लगते। ऐसे जुलूसों को सत्तारूढ़ दल के नेता संबोधित करते और भारत को मिटाने का दंभ भरते। इन तमाम कारणों से आरंभ हुये युद्ध की तिथि भले तीन दिसम्बर 1971 मानी जाती हो पर पाकिस्तान ने अपनी ओर से यह युद्ध 25 नवम्बर 1971 को ही आरंभ कर दिया था, जब लाहौर में ऐसी ही रैली को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भुट्टो ने बाकायदा युद्ध की घोषणा की और उसकी तीनों सेनाओं ने मोर्चाबंदी शुरू कर दी थी। पाकिस्तान ने जहाँ करांची बंदरगाह पर नौसेना बेड़े तैनात किये, वहीं सीमा पर फौज बढ़ा कर घुसपैठ शुरू कर दी थी।

यह वही तकनीकी थी जो पाकिस्तान ने 1948 और 1965 के युद्ध के पूर्व अपनाई थी। लेकिन इस बार भारत सतर्क था भारत युद्ध तो नहीं चाहता था पर युद्ध से निबटने के लिये पूरी तरह तैयार था। भारत ने लगभग दस दिनों तक पाकिस्तान की घुसपैठ पर नजर रखी और स्वयं को मजबूत किया। दूसरी तरफ पाकिस्तान को लगा कि उसकी घुसपैठ सफल हो रही है। इससे उत्साहित होकर उसने 02 और 03 दिसम्बर 1971 की रात भारत पर हवाई हमला बोल दिया। पाकिस्तान की वायुसेना ने एक साथ एक रात में भारत के कुल 11 स्थानों पर बम गिराये। यह बम उसने केवल सीमावर्ती क्षेत्रों में ही नहीं बल्कि भारत की सीमा में 480 किमी तक निशाना साधा। पाकिस्तान ने इस अभियान का नाम ऑपरेशन चंगेज दिया था और इसमें उसके 41 युद्धक विमानों ने हिस्सा लिया।

इस बमबारी से पूरा भारत सकते में आ गया। 03 दिसम्बर को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने राष्ट्र के नाम संदेश दिया और सेना को आदेश दिया कि वह पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे। भारतीय सेना ने तब तीनों प्रकार की रणनीति अपनाई। जल, थल और हवाई युद्ध की। भारतीय थल सेना जहाँ पूर्वी पाकिस्तान के हिस्से में घुसकर वहां संघर्षरत बंगलादेश मुक्ति वाहिनी की खुली मदद करने लगी, वहीं नौसेना की पनडुब्बी ने बंगाल की खाड़ी में तैनात पाकिस्तान के उस एयरबेस को उड़ा दिया, जिससे पाकिस्तान के युद्धक विमान उड़ान भर रहे थे।

तीसरे, वायुसेना ने पाकिस्तान के उन मिलिट्री कैंपों पर भी धावा बोला जो उसकी थल सेना के आश्रय स्थल थे। यह सब काम केवल आरंभिक चार दिनों में हो गया। 09 दिसम्बर से पाकिस्तान की फौज डिफेन्स में आई। 10 दिसम्बर को भारत ने उसका सैन्य संचार तंत्र बिखेर दिया। हालत यह हुई कि पाकिस्तान के किस कैंप में कितनी सेना है, उसकी हालत क्या है, वह जीवित भी है या नहीं, यह सब सूचनाएं बंद हो गयीं। पाकिस्तान की सेना का सारा ताना–बाना बिखर गया।

भारतीय फौज ने 14 दिसम्बर को ढाका पर कब्जा कर लिया और 15 दिसम्बर को पूर्वी पाकिस्तान में तैनात पाकिस्तानी सैनिक या तो बर्मा भाग गये या सरेंडर कर जान की भीख मांगने लगे। 15 दिसम्बर को भारत ने ढाका पर आधिपत्य की अधिकृत घोषणा की। इसी के साथ वहां तैनात पाकिस्तानी कमांडर ने फौज के आत्मसमर्पण का प्रस्ताव दिया, जिसे 16 दिसम्बर को मानते हुए भारत ने अपनी ओर से युद्ध विराम की घोषणा कर दी।

युद्ध की मुख्य बातें

युद्ध में पाकिस्तान के कुल 97368 युद्ध बंदी बनाये गये, इसमें 91 हजार वर्दीधारी सैनिक, दो हजार अर्धसैनिक और चार हजार अन्य सहयोगी थे। युद्ध में 3843 भारतीय सैनिक शहीद हुए जबकि पाकिस्तान के 09 हजार सैनिक मारे गये।

युद्ध में भारतीय वायुसेना ने कुल 5878 उड़ानें भरीं, इसमें 4000 लगभग पश्चिमी मोर्चे और बाकी पूर्वी मोर्चा पर थी।

2 जुलाई 1972 को शिमला समझौता हुआ, जिसके तहत भारत ने पाकिस्तानी युद्धबंदी लौटाये और जीती हुई जमीन भी वापस कर दी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

ढाई सौ साल बाद बेमिसाल विकास

–डॉ. दिलीप अग्निहोत्री–

सदियों बाद गरिमा के अनुरूप काशी का प्रगति पथ प्रशस्त हुआ। इस दृष्टि से विगत सात वर्ष महत्वपूर्ण रहे। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के पहले ही यहां के विकास की कल्पना की थी।

शायद इसीलिए उन्होंने काशी यात्रा के दौरान कहा था कि मैं यहां आया नहीं हूं बल्कि मां गंगा ने बुलाया है। यह भी संयोग था कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के तीन वर्ष बाद योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। उसके बाद यहां के विकास कार्यों को गति मिली।

यह कार्य शासन की रूटीन गतिविधियों से संभव नहीं था। इसके लिए तीर्थ स्थल विकास का भावनात्मक धरातल भी आवश्यक होता है। कार्य तो पहले भी हुए किंतु काशी को विश्वस्तरीय तीर्थाटन स्थल के रूप में प्रतिष्ठित करने का विचार और विजन पहले नहीं था। नरेंद्र मोदी ने काशी को क्वेटो की तरह सुविधा संपन्न बनाने का संकल्प लिया था। इसके पीछे काशी को पौराणिक महिमा के अनुरूप विकसित करने का ही विचार था। दुनिया की सर्वाधिक प्राचीन इस नगरी के प्रति देश–विदेश के असंख्य लोगों की आस्था है। स्वतंत्रता के बाद से ही काशी के समग्र विकास का अभियान प्रारंभ होना चाहिए था किंतु ऐसा नहीं हो सका। जबकि इसी अवधि में क्वेटो जैसे दुनिया के अनेक नगरों को विश्वस्तरीय बना दिया गया।

करीब ढाई शताब्दी के बाद आस्था के प्रमुख केंद्र श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। महारानी अहिल्या बाई होल्कर द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनरुद्धार कराया गया था। उनके बाद नरेंद्र मोदी ने इसका संकल्प लिया। यह संकल्प अब साकार हुआ है। नरेंद्र मोदी द्वारा श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर लोकार्पण किया गया।

इसके दृष्टिगत पहले से पर्व की भांति भव्य काशी दिव्य काशी कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार काशी पहुंच कर संबंधित तैयारियों को देखा और समीक्षा की थी। अधिकारियों को समयबद्ध कार्य करने के लिए निर्देशित किया था।

गंगा घाटों के साथ शहर की प्रमुख इमारतों व सरकारी भवनों की विशेष रूप से सजावट एवं लाइटिंग कराई गई। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में डिजिटल डोनेशन की व्यवस्था की गई। काशी का डिजिटल मैप बनाया गया। भजन कीर्तन मंडलियों को संस्कृति विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फाइन आर्ट के छात्र–छात्राएं शहर के प्रमुख स्थानों पर अपनी पेंटिंग्स का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन पूरे एक माह तक किए जाने की रूपरेखा बनायी गई है। काशी के पुनरुद्धार और श्री काशी विश्वनाथ धाम के इतिहास की जानकारी जन–जन तक पहुंचाई जाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने जनपद वाराणसी के सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर क्षेत्र के पर्यटन विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुसार सीर गोवर्धन के पर्यटन विकास का कार्य करोड़ों रुपये की लागत से कराया जा रहा है। सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर के निकट परियोजना विस्तारीकरण कार्य प्रगति पर है। यहां उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा लंगर भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। पार्क निर्माण के लिए अब तक साठ प्रतिशत जमीनों का अधिग्रहण किया जा चुका है। यहां श्री गुरु रविदास की कांस्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा अनुयायियों व दर्शनार्थियों के सुगम यातायात हेतु तीन मार्गों, ट्रॉमा सेंटर से संत रविदास मंदिर मोड़ तक, रविदास मंदिर मोड़ से नेशनल हाइवे तक सड़क का सुदृढ़ीकरण तथा रविदास मंदिर से लंगर हाल होते हुए नेशनल हाइवे तक सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

लोकर्पण की पूर्व संध्या पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ धाम से काशी को वैश्विक पहचान मिलेगी। लगभग सौ वर्ष पहले महात्मा गांधी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में आए थे। उस उन्होंने यहां की गलियों और दुर्व्यवस्था को देखकर तीखी टिप्पणी की थी। उन्हें यहां की दशा देखकर निराशा हुई थी। किंतु इन सौ वर्षों तक किसी का ध्यान उस ओर नहीं गया।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का अपना प्राचीन इतिहास है। लगभग एक हजार वर्षों तक इस मंदिर ने अनेक दौर देखे हैं। विदेशी आक्रांताओं के हमले को भी झेला है। मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु महारानी अहिल्या बाई, महाराणा रणजीत सिंह ने अपने–अपने समय में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज काशी विश्वनाथ धाम का अलौकिक, भव्य एवं दिव्य रूप में प्रतिष्ठित है। योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ऐतिहासिक युद्ध की जयंती पर शौर्य को नमन

–प्रताप सिंह पटियाल–

16 दिसंबर 1971 शौर्य पराक्रम से भरे भारतीय सैन्य इतिहास का वो स्वर्णिम अध्याय है जब भारतीय सैन्यशक्ति ने हमशाया मुल्क पाकिस्तान को वजूद में आने के बाद मात्र 24 वर्षों में ही तकसीम करके उसके पूर्वी हिस्से को आजाद मुल्क बांग्लादेश में तब्दील करके पाकिस्तान का भूगोल बदली कर दिया था। बांग्लादेश की आवाम को पाकिस्तान से आजादी के उन लम्हों का मुद्दत से इंतजार था। आज भारत 1971 के उसी ऐतिहासिक युद्ध की 50वीं वर्षगांठ को 'स्वर्णिय जयंती' के रूप में मना रहा है। 3 दिसंबर 1971 के दिन पाकिस्तान की वायुसेना ने 'ऑपेशन चंगेज खान' के तहत भारत के 11 हवाई अड्डों पर बमबारी करके बहुत बड़ी जहालत को अंजाम दिया था। आधिकारिक तौर पर युद्ध की पूर्ण पैमाने पर शुरुआत 3 दिसंबर 1971 को हुई थी। मगर भारत–पाक की उस खूनी जंग के हालात अचानक नहीं बने थे। दरअसल पूर्वी पाक यानी मौजूदा बांग्लादेश के लोगों ने पाकिस्तान के सैन्य हुक्मरानों के तानाशाही रवैये से तंग आकर अपनी बंगाली अस्मिता व संस्कृति की आजादी का बिगुल फूंक दिया था।

पूर्वी पाक की आवाम के बगावती तेवर तथा अपनी आजादी के लिए उठाई जा रही मांग पाक हुक्मरानों को नागवार गुजरी। बांग्ला लोगों की आवाज को खामोश करने के लिए पाक सैन्य कंमाडरों ने पूर्वी पाक में 25 मार्च 1971 को ले.ज. टिक्का खान की कयादत में 'आप्रेशन सर्च लाइट' के तहत व्यापक हिंसा को अंजाम देकर लाखों निर्दोष बांग्ला लोगों का बर्बरतापूर्ण नरसंहार शुरू किया था। पाक सेना के अत्याचारों से मजबूर होकर लाखों बांग्ला लोग भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में शरण लेने को मजबूर हुए। जब भारत की मानवीय अपीलों का पाक सिपहसालारों पर कोई असर नहीं हुआ, तब बांग्लादेश के लोगों को पाक सेना के जुल्मोंसितम की इंतहा से बचाने के लिए भारतीय सेना ने 20 नवंबर 1971 की रात को पूर्वी पाकिस्तान में एक सैन्य अभियान को अंजाम दिया था। उस सैन्य आपरेशन में भारतीय सेना की '14 पंजाब' (नाभा अकाल) बटालियन तथा 45 कैवलरी के जवानों ने बेहद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश के उस सैन्य मिशन में 'गरीबपुर' का जंग–ए–मैदान हिमाचली पराक्रम का गवाह बना जब हिमाचली शूरवीर हवलदार 'लेखराज' (14 पंजाब) ने अपनी रिकॉयललेस गन के अचूक प्रहारों से गरीबपुर के रण में पाकिस्तान के 'एम 24 शैफी टैंकों' को आग की लपटों में तब्दील करके पाकिस्तानी सेना के सामने 'वीरभूमि' के शौर्य को श्रेष्ठ साबित कर दिया था। युद्धभूमि में दुश्मन के समक्ष असीम वीरता के प्रदर्शन के लिए सेना ने लेखराज को 'वीर चक्र' से सम्मानित किया था। उस युद्ध में '45 कैवलरी' के स्कवाड्रन कमांडर 'दलजीत सिंह नारंग' 'महावीर चक्र' ने अपने 'पीटी 76' टैंकों के साथ पाक लाव लश्कर को ध्वस्त करके गरीबपुर में ही शहादत को गले लगा लिया था।

गरीबपुर में भारतीय सैन्य कार्रवाई ने पाक सेना का मनोबल गिराकर युद्ध की दशा व दिशा तय करके भारत की फतह की तम्हीद 22 नवंबर 1971 को ही तैयार कर दी थी। गरीबपुर युद्ध में ही भाग ले रहे पाक वायुसेना के ढाका के स्कवाड्रन कमांडर 'परवेज मेहंदी कुरैशी' को भारतीय सेना की '4 सिख' रेजिमेंट ने 22 नवंबर 1971 के दिन अपनी हिरासत में ले लिया था। परवेज मेहंदी कुरैशी 1971 की भारत–पाक जंग के प्रथम पाकिस्तानी युद्धबंदी थे जिन्हें युद्ध के बाद रिहा किया गया था। वही कुरैशी 1999 की कारगिल जंग के समय पाक वायुसेना के चीफ थे। बेशक 1971 की भारत–पाक जंग का मुख्य केन्द्र बांग्लादेश था मगर पाकिस्तान के असकरी रणनीतिकारों ने कश्मीर को हथियाने की ख्वाहिश कभी नहीं छोड़ी तथा भारतीय सैन्य पराक्रम के आगे पाक सुल्तानों का यह अरमान कभी पूरा नहीं हुआ और न ही होगा। 5 दिसंबर 1971 की रात को पाक सेना ने अपनी एक पूरी ब्रिगेड के साथ भारत के पश्चिमी फ्रंट पर मौजूद पुंछ क्षेत्र में भयंकर हमला बोल दिया था। पुंछ के इलाके में मुस्तैद भारतीय सेना की '6 सिख' रेजिमेंट के जवानों ने पूरे सैन्य जज्बे के साथ पलटवार करके दुश्मन के उस हमले की पूरी तजवीज को नाकाम करने में अहम किरदार अदा किया था। पुंछ के महाज पर पाक सेना के मंसूबों को ध्वस्त करने वाली 6 सिख की कमान हिमाचली सपूत कर्नल (मे. ज.)'कशमीरी लाल रतन' संभाल रहे थे। युद्धभूमि में उत्कृष्ट सैन्य नेतश्त्व के लिए कर्नल रतन को सरकार ने 'महावीर चक्र' से नवाजा था। पाक सेना को उस युद्ध में धूल चटाने वाली '6 सिख' की एक कंपनी का सफलतम नेतश्त्व वीरभूमि के शूरवीर कर्नल 'पंजाब सिंह' 'वीर चक्र' ने किया था। लेकिन 1971 के युद्ध में भारत के सियासी नेतश्त्व की तारीफ करना भी लाजिमी है जब तत्कालीन प्रधानमंत्री 'आयरन लेडी' इंदिरा गांधी ने फौलादी जिगर दिखाकर पाकिस्तान के साथ अमेरिका व चीन के हुक्मरानों की हनक को भी आईना दिखा दिया था। आखिर 3 दिसंबर 1971 को भारत के खिलाफ जंग का आगाज करने वाली पाक सेना लड़ने के काबिल नहीं बची तथा युद्ध के मात्र 14वें दिन लाचार होकर घुटनों के बल बैठ गई। पूर्वी पाक में तैनात पाक सैन्य कमांडर 'अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी' ने 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश के 'रामना रेसकोर्स गार्डन' में भारतीय सेना की पूर्वी कमान के चीफ ले. ज. 'जगजीत सिंह अरोड़ा' को अपनी पिस्तौल सौंप कर गमगीन माहौल में 93 हजार पाक सैनिकों के सरेंडर के कागजात दस्तखात करके आत्मसमर्पण कर दिया। पाक सेना के सरेंडर की तजलील भरी तस्वीरें पूरी दुनिया में चस्पां हुई। पाकिस्तान की नामुराद सेना 1971 के सदमे से आज तक नहीं उभर पाई, मगर 1971 का इतिहास दोहराने की सलाहियत व हुनर आज भी भारतीय सेना की फितरत में मौजूद है। बहरहाल पूर्वी पाक से पाकिस्तान के तानाशाह 'याहिया खान' की सैन्य हुकूमत व पाक इंतजामिया का सूर्यास्त करके आजाद मुल्क 'बांग्लादेश' का सूर्योदय करने में भारतीय सेना के 3843 रणबांकुरों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था जिनमें 195 शहीद जांबाजों का संबंध हिमाचल से था। इसलिए अपनी आजादी की स्वर्णिम जयंती मना रही बांग्लादेश की आवाम तथा वहां की सत्ता पर काबिज हुकमरानों को भारतीय सैनिकों की कुर्बानियों का इतिहास पूरी शिद्दत से अपने जहन में याद रखना होगा। राष्ट्र 1971 के योद्धाओं को शत्शत् नमन करता है।

कोई नेता कुछ भी दावे करे, हिन्दुत्व की राजनीति में भाजपा की जगह लेना असंभव-सा है

–नीरज कुमार दुबे–

चुनावी मौसम है तो सभी नेता जनता को लुभाने के लिए तमाम तरह के प्रयास कर रहे हैं। जो नेता कभी हिंदू की बात नहीं करते थे, जो नेता कभी मंदिर नहीं जाते थे वह आज खुद को हिंदू बता रहे हैं और मंदिर–मंदिर जा रहे हैं। मंदिर जा ही नहीं रहे हैं बल्कि माथे पर बड़ा–सा तिलक और चंदन का लेप भी लगा रहे हैं। कोई मुख्यमंत्री सार्वजनिक मंच से हनुमान चालीसा का पाठ कर रहा है तो कोई मुख्यमंत्री चंडी पाठ कर रहा है। एक प्रतिस्पर्धा–सी चल रही है खुद को भाजपा से बड़ा हिंदू और रामभक्त या शिवभक्त दर्शाने की। दूसरी ओर भाजपा चूंकि शुरू से ही हिन्दू और हिन्दुत्व की बात करती रही है इसलिए चुनावों से पहले वह जनता को यह दिखा रही है कि उसने धार्मिक स्थलों के विकास के जरिये अर्थव्यवस्था को लाभ पहुँचाने और लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिये क्या–क्या काम किये।

अपनी बात को सर्वाधिक प्रभावी तरीके से कहना भाजपा अच्छे से जानती है इसलिए सबने देखा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के समय वाराणसी में कैसा भव्य आयोजन हुआ। कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने एक साथ गंगा आरती में भी शिरकत की। प्रधानमंत्री ने क्रूज पर मुख्यमंत्रियों के साथ भव्य गंगा आरती देखी तो राजनीतिक लिहाज से एक नया इतिहास बन गया। गंगा आरती के दौरान प्रधानमंत्री के साथ क्रूज पर सवार होने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा 12 मुख्यमंत्रियों के अलावा, भाजपा शासित राज्यों के उपमुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्य भी सवार थे।

अब भाजपा की यह हिन्दुत्व पॉलिटिक्स विद फैमिली अयोध्या में भी दिखाई दी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और उनके परिजनों के साथ रामनगरी अयोध्या पहुँचे। यहां भाजपा नेताओं ने सरयू तट पर आरती की, हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा अर्चना की और रामलला के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। देखा जाये तो श्रीराम जन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण के लिए बरसों तक आंदोलन चलाने वाली भाजपा को इसका जबरदस्त चुनावी लाभ भी मिलता रहा है। अब यह लाभ स्थायी हो जाये इसके लिए भाजपा एक बार सबको स्मरण करा रही है कि मंदिर के लिए आंदोलन किसने चलाया, मंदिर के लिए जेल कौन गया, मंदिर के लिए अदालती लड़ाई किसने लड़ी और मंदिर का भव्य शिलान्यास किसने कराया। जेपी नड्डा मुख्यमंत्रियों के साथ अयोध्या इसलिए भी पहुँचे क्योंकि उत्तर प्रदेश के साथ ही जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें उत्तराखण्ड, पंजाब, गोवा और मणिपुर शामिल हैं। इन राज्यों में भी भाजपा अपनी हिन्दुत्व स्टाइल वाली राजनीति को आगे बढ़ा सके और वहां के मतदाताओं को संदेश दे सके इसका प्रयास किया गया है। यही नहीं अगले साल ही हिमाचल प्रदेश और गुजरात में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। गुजरात को तो हिन्दुत्व की प्रयोगशाला भी बताया जा चुका है और हिमाचल में भी हिन्दू मतदाताओं की संख्या ही सर्वाधिक है इसलिए वहां के मतदाताओं को भी संदेश दिया गया है।

जबसे श्रीराम मंदिर निर्माण का काम शुरू हुआ है तब से अनेक राजनीतिक दलों के नेताओं और विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अयोध्या आकर अपनी–अपनी पार्टियों के चुनावी अभियान का शुभारंभ करना शुरू कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो तीर्थयात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं को अयोध्या के दर्शन कराना भी शुरू कर दिया है। भाजपा के विभिन्न नेता, मंत्री, सांसद और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी यहां समय–समय पर आते ही रहते हैं लेकिन अब जिस तरह से भाजपा अध्यक्ष अपने पूरे पार्टी परिवार के साथ यहां आये वह अन्य दलों को संदेश देता है कि अपने को भाजपा से बड़ा हिंदू और रामभक्त कहना अलग बात है लेकिन हिंदुत्व की राजनीति में भाजपा की जगह लेना आसान नहीं है।

बहरहाल, हर अयोध्यावासी जानता है कि शहर के बदले परिदृश्य के लिए किसने कितना योगदान दिया है इसलिए उनके मन में क्या है यह तो वह चुनावों के समय ही बताएंगे लेकिन नेताओं का अयोध्या आना लगातार जारी है। भाजपा के स्टाइल में हिंदू पॉलिटिक्स करने से किस दल को कितना फायदा होगा यह तो समय ही बतायेगा। अब देखना यह भी होगा कि भाजपा नेताओं ने 'अब जो मथुरा की बारी है' वाला बयान देना शुरू किया है क्या उसमें विपक्ष के नेता भी अपना सुर मिलाते हैं।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा मे किया सैनिक सम्मेलन/अपराध गोष्ठी, अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के दिए निर्देश

गोष्ठी के दौरान आगामी विधान सभा चुनाव–2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा दिए गए आवश्यक दिशा–निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। दिनांक 15.12.2021 को पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में सैनिक सम्मेलन/अपराध गोष्ठी की। सम्मेलन के दौरान जनपद के समस्त थानों एवं विभिन्न प्रकोष्ठो

से आए हुए पुलिस कर्मियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी की एवं उनके निराकरण हेतु संबंधित को निर्देशित किया साथ ही समस्त पुलिस कर्मियों को जाड़े के अनुरूप वर्दी धारण करने व प्रत्येक शनिवार व रविवार को समस्त थानों/पुलिस चौकियों व पुलिस लाइन में अभियान चलाकर साफ–सफाई करने तथा कोविड–19 को देखते हुए सेनेटाइजेशन कराने तथा समस्त अधिकारी/कर्मचारीगणों द्वारा शत–प्रतिशत कोविड वैक्सीन का डोज लगवाने हेतु निर्देशित किया गया तथा पुलिस कर्मियों को मास्क व सेनेटाइजर का भी वितरण किया गया तत्पश्चात अपराध गोष्ठी की जिसका मुख्य विषय आगामी विधान सभा चुनाव के दृष्टिगत कानून व्यवस्था व अपराध नियंत्रण रहा, जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने व चुनाव को सकुशल व शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने के लिए समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को निर्देशित किया।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव 2022 के दृष्टिगत शतप्रतिशत शस्त्र लाइसेंस जमा कराये जाने, निरोधात्मक कार्यवाही व चुनाव को सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु संवेदनशील मतदान केंद्रों को चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने, पैरामिलेट्री फोर्स के रूकने वाले स्थानों का भ्रमण व कमियों की पूर्ति कराये जाने की समीक्षा की गई, इसके साथ ही अवैध कच्ची शराब के निष्कर्षण भंडारण, परिवहन, बिक्री, चोरी, लूट व नकबजनी की घटनाओं की रोकथाम हेतु तथा अवैध शस्त्रों की बरामदगी किये जाने एवं कस्बा व ग्रामीण इलाकों में रात्रि गश्त बढ़ाने, बैंक व लेनदेन वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने तथा प्रतिदिन बैंक

डयूटी में जाने वाले कर्मचारियों को डयूटी के सम्बन्ध में ब्रीफ करने एवं सभी पुलिसकर्मियों को डयूटी के दौरान दृश्यता, गतिशीलता, सजगता एवं सतर्कता बनाये रखने हेतु निर्देशित किया। लंबित विवेचनाओं के निस्तारण, वांछित अभियुक्तों एवं जनपद के समस्त पुरस्कार घोषित, जिलाबदर, एनबीडब्ल्यू के विरूद्ध अभियान चलाकर गिरफ्तारी करने, यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही करने, मिशन शक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिये थानो पर गठित एण्टीरोमियों टीमों की क्रियाशीलता निरंतर जारी रखने, आम जनमानस में सुरक्षा की भावना को बढ़ाने हेतु पैदल गश्त को और अधिक क्रियाशील करने का निर्देश दिया। महिला हेल्प डेस्क पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों द्वारा पीड़ित महिला फरियादियों की समस्याओं को सहानुभूति पूर्वक सुनने तथा उनका तत्काल निस्तारण कराने, जनता द्वारा दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्रों, लंबित जनशिकायतो एवं आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण व आम जनता के साथ अच्छा बर्ताव करते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। गोष्ठी में जिलाधिकारी गोण्डा व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा भी समस्त क्षेत्राधिकारियों/प्रभारी निरीक्षकों/थानाध्यक्षों को आगामी विधानसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गए।

इस अवसर पर जनपद जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष, प्रतिसार निरीक्षक, शाखा प्रभारी व सैनिक सम्मेलन में आए हुए अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मवारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन/ प्रेरणा से जनसुनवाई में फरियादी के साथ आये उसके छोटे–छोटे बच्चो को थाना उमरीबेगमगंज के आरक्षी ने नये गर्म कपड़े दिलवाकर बच्चो के चेहरे पर लायी मुस्कान

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा द्वारा की जा रही जनसुनवाई के दौरान थाना तरबगंज क्षेत्र का रहने वाला एक पीड़ित परिवार अपने दो छोटे–छोटे बच्चो के साथ जनसुनवाई में आया। पुलिस अधीक्षक ने पीडित परिवार की समस्या सुन तत्काल निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। साथ ही पीड़ित के साथ आये उसके छोटे छोटे बच्चे जो पर्याप्त कपड़े नही पहने थे को तत्काल नये गर्म कपड़े मगाकर पहनाने हेतु जनसुनवाई के दौरान मौजूद थानाध्यक्ष उमारीबेगमगंज को निर्देशित/प्रेरित किया। थानाध्यक्ष उमरीबेगमगंज द्वारा तत्काल अपने हमराही कांस्टेबल प्रशांत कुमार को भेज कर नये गर्म कपड़े मंगवाए तथा आरक्षी प्रशांत कुमार ने स्वयं अपने हाथों से मासूम बच्चो को नए गर्म कपड़े पहनाकर

गोदी में लेकर प्यार दुलार किया। नए गर्म कपड़े पाकर मासूम बच्चे के चेहरे खुशी से चहक उठे, तो वही बच्चो के परिजनो ने भी इस मानवीय कार्य के लिए गोंडा पुलिस की भूरि–भूरि प्रशंसा की। पुलिस अधीक्षक ने कांस्टेबल प्रशांत कुमार को उसके द्वारा किए गए इस मानवीय कार्य के लिए रुपए 500 के नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

हलवाई का काम करने वाले युवक ने घरेलू कलह के चलते फांसी लगाकर दी जान

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव गंगा घाट कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ब्रह्म नगर में किराए पर रह रहे युवक ने पत्नी से किसी बात को लेकर हुई अनबन के चलते फांसी के फंदे

पर झूला। जानकारी के अनुसार राहुल सिंह उम्र 22 वर्ष पुत्र गोविंद प्रसाद ब्रह्म नगर में किराए के मकान में रहकर हलवाई का काम करता था। सूत्रों द्वारा ज्ञात हुआ है की पत्नी अलका तथा मृतक में किसी बात को लेकर हुए झगड़े के चलते शाम मंगलवार शाम लगभग 7:30 बजे फांसी लगाकर जान दे दी सूचना पर पहुंची गंगा घाट पुलिस ने शव को उतार कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

अयोध्या में 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों का एक साथ दर्शन करना एतिहासिक

अवध की आवाज ब्यूरो

अयोध्या। श्री राम जन्म भूमि मंदिर का भूमि पूजन होने के बाद से लगातार अयोध्या में पूरे देश के लोग दर्शन के लिए आ रहे हैं द्य इसी क्रम में अयोध्या धाम में भारतीय गणराज्य के लगभग 10 प्रान्तों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे पी नड्डा जी अयोध्या पहुंचे द्य यह पहला अवसर है कि एक साथ 10 प्रान्तों के मुख्यमंत्री अयोध्या दर्शन के लिए आए हैं। आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत होटल पंचशील में ढोल नगाड़े के साथ फूल माला पहनाकर किया गया,जिसकी अगवानी अयोध्या संसद , लल्लू सिंह, विधायक , वेद प्रकाश

गुप्ता, महापौर , ऋषिकेश उपाध्याय, मंत्री नील कंठ तिवारी शामिल रहे द्य

सभी मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, राज्य मंत्री, केंद्रीय मंत्री ने आज अयोध्या भ्रमण कर सर्वप्रथम सभी ने सरयू आरती में भाग लिया। उनके साथ उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष , जे0पी0 नड्डा जी सबसे पहले सरयू आरती स्थल पर पहुंचे तथा सरयू मां की आरती में पूरे परिवार के साथ लिया। अन्य भाग लेने वाले मुख्यमंत्रियों में मध्य प्रदेश के , शिवराज सिंह चौहान एवं उनकी धर्मपत्नी, त्रिपुरा के बिप्लव देव एवं उनकी धर्मपत्नी, गोवा के , प्रमोद सावंत उनकी धर्मपत्नी, हरियाणा के , मनोहर लाल खट्टर, असम के , हेमंत विश्वा शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी, गुजरात के श्री भूपेन्द्र भाई पटेल एवं उनकी धर्मपत्नी, अरूणांचल प्रदेश के मुख्यमंत्री , प्रेमा खांडू एवं उनकी धर्मपत्नी, मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री एन0 विशेन सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी, अरूणांचल के उपमुख्यमंत्री ,चोनामीन एवं उनकी धर्मपत्नी, बिहार के उपमुख्यमंत्री , तारकिशोर प्रसाद एवं उनकी धर्मपत्नी तथा बिहार की उपमुख्यमंत्री सुश्री रेनू देवी, गोवा के उपमुख्यमंत्री ,चन्द्रकांत कावेलकर, नागालैंड के उपमुख्यमंत्री श्री यथंगों पट्टन के अलावा राज्यसभा सांसद विनय शास्त्र बुद्वे एवं उनके साथ उनके सदस्यों आदि ने भाग लिया तथा श्रद्वा के साथ पूजन आरती किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री डा0 नीलकंठ तिवारी ने सभी की आगवानी की तथा राज्य सरकार के तरफ से सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात मा0 मुख्यमंत्री/विशिष्ट अतिथियों द्वारा श्री हनुमानगढ़ी का दर्शन एवं पूजन किया गया। तत्पश्चात सभी लोगों ने श्रीराम लला मंदिर में दर्शन पूजन किया। मुख्य पूजन श्रीराम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी श्री

सत्येन्द्र दास एवं उनकी टीम द्वारा कराया गया तथा सरयू आरती , शशिकांत दास एवं उनकी टीम द्वारा कराया गया। रामजन्मभूमि के निर्माण में कार्य कर रहे संस्था के प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों की भी सराहना की गयी। रामलला मंदिर के परिसर में स्थापित मंदिर निर्माण के कार्यो की जानकारी ली तथा वहां प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रस्तुतिकरण एलएण्डटी के प्रमुख इस परियोजना के , विनोद मेहता द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि जो निर्माण कार्य चल रहा है उस पर भव्य श्रीरामलला मंदिर का निर्माण हो रहा है तथा जो ध्वज लगा है उस पर भगवान रामलला का जन्मस्थान है। वहां पर मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा 5 अगस्त 2020 को भूमिपूजन किया गया था। प्रस्तुतिकरण में उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर तीन तलों का बनेगा, जिसकी लम्बाई 388 फिट, चौड़ाई 250 फिट और ऊंचाई 161 फिट आदि होगी। मंदिर का निर्माण/डिजाइन 1000 अवधि मानकर किया जा रहा है। मंदिर के निर्माण में लोहे का प्रयोग नही किया जा रहा है इसमें तांबे का प्रयोग किया जा रहा है और इसकी भराई एक विशेष बिल्डिंग मैटेरियल से की जाती है। करीब इसमें 26000 ग्रेनाइट के ब्लाक लगाये जायेंगे। इसके अलावा इसमें राजस्थानी विशेष पत्थरों का इस्तेमाल किया जायेगा। मंदिर का निर्माण रात दिन चल रहा है इसको वर्ष 2023 अन्त तक पूरा होने की संभावना है। इस कार्यक्रम का संचालन विश्व हिन्दू परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री ,चम्पत राय जी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के ट्रस्टी , दिनेन्द्र दास, विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र, अनिल मिश्र अन्य गणमान्य व्यक्ति के अलावा श्री राजेन्द्र सिंह पंकज, जगन्नाथ जी, विश्व हिन्दू परिषद एवं ट्रस्ट के अनेक वरिष्ठ सहयोगीगण, सांसद लल्लू सिंह, विधायक , वेद प्रकाश गुप्त, श्रीमती शोभा सिंह चौहान, बाबा गोरखनाथ, रामचन्दर यादव, जिला पंचायत सदस्य के प्रतिनिधि , आलोक सिंह, मेयर , ऋषिकेश उपाध्याय सहित जिलाध्यक्ष , संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र आदि उपस्थित थे।

सभी मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्रियों द्वारा राज्य सरकार के विशेष विमान से अयोध्या हवाई पट्टी पर आगमन हुआ वहां पर अपर पुलिस महानिदेशक , एस0एन0 सावंत, मण्डलायुक्त श्री एम0पी0 अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक श्री के0पी0 सिंह, जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश कुमार पांडेय, नगर आयुक्त श्री विशाल सिंह सहित जनपद के अनेक वरिष्ठ अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा हवाई पट्टी पर स्वागत किया गया तथा सभी का कार्यक्रम समाप्ति पर लंच पंचशील होटल में दिया गया। सभी कार्यक्रम स्थलों पर हमारे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सफल कार्यक्रम हुआ तथा सभी मुख्यमंत्रियों तथा उपमुख्यमंत्रियों ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे0पी0 नड्डा जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शासन, मण्डल प्रशासन, जिला प्रशासन एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सम्मानित सदस्यों तथा भारतीय जनता पार्टी एवं विश्व हिन्दू परिषद एवं संघ परिवार के सदस्यों के प्रति स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया तथा रामजन्मभूमि के प्रस्तुतिकरण एवं सरयू आरती स्थल के कार्यक्रमों की भाव विभोर होकर सराहना की।

अपर पुलिस महानिदेशक श्री एस0एन0 सावंत, मण्डलायुक्त श्री एम0पी0 अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक श्री के0पी0 सिंह, जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश कुमार पांडेय, नगर आयुक्त श्री विशाल सिंह, उपनिदेशक सूचना डा0 मुरली धर सिंह एवं मण्डल एवं जनपद के सभी अधिकारियों ने मीडिया के विशेष सहयोग और आम जनमानस के सहयोग के लिए सराहना की। इस कार्य में लगाये गये मजिस्टेटो, पुलिस अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों, गैर सरकारी कर्मचारियों के भी कार्यो की सराहना की और धन्यवाद ज्ञापित किया।

महिला अपराध व हिंसा को लेकर किया जागरूक

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों और हिंसा में पुलिस की मदद हासिल करने को लेकर सरस्वती सेवा संस्थान लखनऊ द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत संस्था के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर्स की जानकारी दी। विद्यालय और तहसील परिसर में नुक्कड़ नाटक कर लोगों को खासतौर पर महिलाओं को 1090 डायल कर मदद हासिल करने को जागरूक किया सरकार के निर्देश पर स्वयंसेवी संगठन सरस्वती सेवा संस्थान लखनऊ के स्वयंसेवकों की टीम इलाके में जागरूकता अभियान चला रही है। उन्होंने कोतवाली में संपर्क कर पुलिस द्वारा सुझाए गए स्थानों अमरचंद्र महेश्वरी इंटर कालेज तथा तहसील परिसर में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सरकार द्वारा चलाए जा रहे वीमेन पावर हेल्पलाइन नंबर्स 1090, 112 व मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने का काम किया। ग्रामीण परिवेश को केंद्र में रखकर संस्था के रंगकर्मियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह बताने की कोशिश की कि जब किसी महिला के साथ कोई आपराधिक वारदात मसलन छेड़खानी, यौन शोषण या किसी तरह की हिंसा हो तो वह चुप न बैठे बल्कि उसका प्रतिकार करे और सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर्स पर कॉल करके पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकती है। इस दौरान संस्था के नंदिनी पांडे, धनश्याम मिश्रा और उनके साथी कलाकार रहे।

गोंडा डीएम ने अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को निःशुल्क दाल, साबुत चना, आयोडाइज्ड नमक एवं खाद्य तेल तथा खाद्यान्न के निःशुल्क वितरण हेतु जारी किए सख्त दिशा निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही द्वारा अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को निःशुल्क दाल, साबुत चना, आयोडाइज्ड नमक एवं खाद्य तेल तथा खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण कराये जाने के सम्बन्ध में पूर्ति विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं।

जिलाधिकारी श्री शाही ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत आवश्यक वस्तुओं का वितरण 12 दिसंबर से प्रारंभ होकर 20 दिसंबर तक सम्पन्न होगा। उन्होंने बताया कि इस अवधि में अन्त्योदय कार्ड धारकों को 35 कि0ग्रा0 खाद्यान्न (20 कि0ग्रा0 गेंहू व 15 कि0ग्रा0 चावल) तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों से सम्बद्ध यूनिटों पर 05 कि0ग्रा0 खाद्यान्न प्रति यूनिट (03 कि0ग्रा0 गेंहू व 02 कि0ग्रा0 चावल) का निशुल्क वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि राशन कार्डधारकों को पोर्टेबिलिटी के अन्तर्गत केवल खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा अनुमन्य रहेगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत जनपद के अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी योजनान्तर्गत कार्डधारकों को प्रति कार्ड 01 कि0ग्रा0 साबुत चना, 01 कि0ग्रा0 आयोडाइज्ड नमक एवं 01 ली0 रिफाइंड सोयाबीन आयल का निशुल्क वितरण किया जायेगा। आयोडाइज्ड नमक, साबुत चना तथा रिफाइंड सोयाबीन आयल के वितरण में पोर्टेबिलिटी की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी। कार्डधारक इन तीनों वस्तुओं को अपनी मूल दुकान से ही प्राप्त कर सकेगें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि योजनान्तर्गत वितरण के अन्तिम तिथि 20 दिसंबर होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मो0 ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण सम्पन्न किया जा सकता।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनान्तर्गत द्वितीय वितरण चक्र में अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 05 कि0ग्रा0 खाद्यान्न (03 कि0ग्रा0 गेंहू व 02 कि0ग्रा0 चावल) का निःशुल्क वितरण सम्पन्न होगा। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त जन सामान्य एवं लाभार्थियों को सूचित किया है कि वे माह दिसम्बर 2021 के प्रथम वितरण चक्र में अपने उचित दर दुकान से खाद्यान्न के साथ–साथ 01 कि0ग्रा0 साबुत चना, 01 कि0ग्रा0 आयोडाइज्ड नमक एवं 01 ली0 रिफाइंड सोयाबीन ऑयल निःशुल्क प्राप्त कर सकते है। यदि खाद्यान्न के साथ–साथ अन्य वस्तुओं की प्राप्ति के सम्बन्ध में किसी प्रकार की कोई समस्या होती है तो जिला पूर्ति अधिकारी गोण्डा के कार्यालय के दूरभाष संख्या–05262–230352 के साथ–साथ तहसील स्थित आपूर्ति कार्यालय में सम्बन्धित उप जिलाधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी या पूर्ति निरीक्षक से सम्पर्क कर समस्या का निराकरण करा सकते हैं।

खेत से घर जा रहे किसान को अज्ञात वाहन ने रौंदा मौके पर ही मौत।

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। मोतीगंज थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी कहोबा क्षेत्र दर्जी कुआं मनकापुर पुर सड़क मार्ग स्थित कुन्दुरखा गांव के समीप किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर फरार हो गया जबकि किसान की मौके पर ही मौत हो गई। घटना बीते दिवस देर शाम की है कुन्दुरखा गांव निवासी राघव राम पुत्र बाबू राम खेत से काम निपटा कर घर जा रहे थे कि किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दिया जिसकी सुचना स्थानीय लोगों ने कहोबा चौकी प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार गौतम को दी सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी हमराही कांस्टेबल प्रमोद कुमार सिंह,मनोज सिंह, रिक्रूट आरक्षी सचिन कुमार के साथ मौके पर पहुंचे तथा शवच्का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया गया है। थाना अध्यक्ष ने बताया इस सम्बन्ध में मुकदमा अपराध संख्या 238/2021धारा 279,304एआईपीसी तथा 184एमवी एक्ट के तहत अज्ञात वाहन के खिलाफ पंजीकृत कर लिया गया है तथा विवेचनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

नहर जाने से सूख रहीं फसलें किसानों की नहीं सुन रहे जिम्मेदार

अवध की आवाज ब्यूरो

पिरौना, उरई। जनपद जालौन के ग्राम सेवढ़ी, सेई, भिटारा, पचोखरा, चावनपुरा, सोमई, गिरथान, कुरकुरु, खदानी, बिनौरा, खेरा, अकोढ़ी, नुनसाई, धमसैनी, विरासनी, मवई, छिरावली, गुमावली, धुरट, इगुइखुर्द, जमरोहीखुर्द, इगुइकला, पिरौना जैसे सैकड़ो गांवो में हजारों एकड़ की फसलों को पानी नही मिला तो फसलें बर्बाद हो जाएगी फसलों की सिंचाई के लिए नहर में पानी न होने से चहु ओर किसान परेशान हैं। लेकिन विभाग किसानों की समस्या से अनजान बनकर उन्हें सिंचाई की सुविधा नहीं दे पा रहा है कोंच विकास खंड के अन्तर्गत आने वाली ग्राम सभा पिरौना के किसान इन दिनों अपनी गेंहू की फसल को लेकर काफी परेशान है। बेहतर फसल के लिए उन्हें खेतों में पानी की जरूरत है। लेकिन उन्हें पानी नहीं मिल पा रहा है। सरकारी तन्त्र की नहर में पानी न छोड़ने से किसानों की यह मुराद पूरी नहीं हो पा रही है। गांव के पास से निकली हमीरपुर शाख नहर जिसमे पानी न होने से किसानों को मुंह चिढ़ा रही है। किसानो को अधिकारीयों की इस उदासीनता से पैसों के एवज सिंचाई कराने पर मजबूर होना पड़ रहा है। जो उनकी परेशानी पर नमक छिड़के जाने जैसा है। वहीं किसानों की तमाम समस्याओं से पांच सालों तक मुंह मोड़े रखने वाले राजनेता एक बार फि र चुनाव की डुगडुगी बजाकर राहत देने का झासा देकर उसे बरगलाने में लगे हुए है। पिरौना निवासी राजाराम, श्यामू, गंगा प्रसाद, अनिल कुमार तथा सूरज व प्रभाकर, प्रमोद खरे, सुरेन्द्र पाल, आत्माराम, जयराम, देवेन्द्र यादव, आनन्द किशोर यादव, उमाशंकर यादव, सरजू प्रसाद

यादव, हरिश्चंद्र सिरौठिया, प्रदीप कुमार, राम सिंह, मोहम्मद लतीफ, विकास सिरोठिया, देवेंद्र पाल, वीरेंद्र निरंजन, अवधेश निरंजन, बॉबी पंडा, संजू तिवारी, जितेंद्र निरंजन जैसे किसानों के खेत में खड़ी गेंहू, मटर, मसूर की फसलें की सिचाई के लिए जिलाधिकारी से नहरों में पानी देने की मांग की है।

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। थाना फरधान पुलिस द्वारा, वांछित अभियुक्त प्रमोद को गिरफ्तार किया गया, पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में सम्पूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित/वारंटी/संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 16.12.2021 को थाना फरधान पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 365/21 धारा 147/148/323/504/352/304 भादवि0 में वांछित अभियुक्त प्रमोद पुत्र प्रहलाद नि0 ग्राम गौरिया थाना फरधान जनपद खीरी को गिरफ्तार कर माननीय न्या0 भेजा गया।

गर्भवती के लिए पूरी तरह सुरक्षित है कोविड का टीका, जरूर लगवाएं

टीका लगवाने के साथ खानपान व कोविड प्रोटोकाल का भी रखें ख्याल इम्यूनिटी कमजोर होने से रहती है कोरोना की चपेट में आने की संभावना

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। गर्भावस्था के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) कमजोर होने के कारण गर्भवती के कोरोना व अन्य संक्रामक बीमारियों की चपेट में आने की संभावना ज्यादा रहती है। ऐसे में गर्भवती खुद के साथ गर्भ में पल रहे शिशु की सुरक्षा के लिए कोविड का टीका लगवाने के साथ ही खानपान और कोविड प्रोटोकाल का खास तौर पर ख्याल रखें। केंद्र सरकार के विशेषज्ञ सलाहकार समूह का भी कहना है कि सभी गर्भवती और धात्री महिलाओं के लिए कोविड–19 का टीका पूरी तरह सुरक्षित है।

राजधानी लखनऊ में मंगलवार को दो गर्भवती कोरोना संक्रमित पाई गईं, बाद में पता चला कि उन्होंने कोविड टीके की एक भी डोज नहीं लगवाई थी। ऐसे में गर्भवती व उनके परिजन निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर कोविड का टीका जरूर लगवाएं। टीका कोरोना की गंभीर स्थिति में जाने से बचाएगा। टीकाकरण गर्भवती को अन्य लोगों की तरह ही कोविड–19 से सुरक्षित बनाता है। इसके साथ ही यह भी जानना जरूरी है कि किसी भी अन्य वैक्सीन की तरह, इस टीका से भी हलके बुखार, इंजेक्शन के स्थान पर दर्द और एक–दो दिन के लिए अस्वस्थ महसूस कर सकते हैं। इसमें घबराने वाली कोई बात नहीं है। इसलिए वह गर्भवती जिनका कामकाज के सिलसिले में ज्यादा बाहर निकलना होता है और लोगों से मिलना–जुलना होता है, उनके साथ ही हर गर्भवती के लिए यही सलाह है कि वह जल्द से जल्द कोविड का टीका लगवा लें, इससे यदि वह कोरोना की चपेट में आती भी हैं तो गंभीर स्थिति में जाने से बच सकती हैं। कोविड–19 का टीका गर्भावस्था के दौरान कभी भी दिया जा सकता है। उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) वाली महिलाएं जैसे– पहले से रोग ग्रसित गर्भवती, मां की अधिक आयु और उच्च बॉडी मॉस इंडेक्स (बीएमआई) के लिए कोविड का गंभीर लक्षण जोखिम से भरा हो सकता है। इसके अलावा पहले से मौजूद चिकित्सा स्थितियां जैसे मधुमेह, हृदय रोग से ग्रसित, सीओपीडी, अस्थमा, लिस्टिक फाइब्रोसिस जैसी पुरानी सांस सम्बन्धी स्थिति, डायलिसिस या एडवांस क्रोनिक किडनी रोग, इम्यूनोसप्रेसिव उपचार करवाने वाले मरीज, होमोजिगस सिकल सेल रोग, अंग प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता वाली गर्भवती में जोखिम की संभावना अधिक रहती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन–उत्तर प्रदेश के महाप्रबंधक– मातृत्व स्वास्थ्य व टीकाकरण डॉ. मनोज शुकुल का कहना है कि कोविड टीकाकरण के साथ ही गर्भवती अपने खानपान का भी पूरा ख्याल रखें ताकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे और उनका शरीर संक्रामक बीमारियों से आसानी से लड़ सके। वह अपने भोजन में हरी साग सब्जियों को जरूर शामिल करें और चिकित्सक के बताए अनुसार आयरन व कैल्शियम की गोलियों का भी सेवन करें। इसके अलावा कोविड प्रोटोकाल का भी पालन पूरी तरह से करें, बहुत जरूरी होने पर ही बाहर जाएँ और इस दौरान मास्क जरूर लगाकर रखें, भीड़भाड़ में बिल्कुल न जाएँ। घर पर आने वाले मेहमानों से भी दो गज की दूरी बनाकर रखें और खाना बनाने, खाने से पहले और शौच के बाद साबुन–पानी से हाथों को अच्छी तरह से अवश्य धुलें। इसके अलावा हर गर्भवती प्रसव पूर्व चार जांच जरूर कराएं ताकि किसी भी उच्च जोखिम वाली स्थिति का पहले से पता चल सके। इससे सुरक्षित प्रसव में बड़ी मदद मिल सकती है।

खस्ताहाल सड़क से लोगों को मिला निदान। डिप्टी सीएम के फटकार से सड़क निर्माण कार्य हुआ चालू।

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। मनकापुर तहसील के अंतर्गत विद्यानगर न्याय पंचायत में स्थित हनुमान मंदिर से होते हुए लगफग दर्जनों गांव को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण हुआ चालू हो गया।

बताया जाता है कि बीते 4 दिसंबर

को कामगार कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक के माता जी के निधन हो गया था सचिव के माता जी के निधन के बाद महासचिव के घर पर दिग्गज नेताओं मंत्रियों का आना–जाना लगा रहा इस खस्ताहाल सड़क से होते हुए गुजरने के बाद नेताओं ने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई वहीं इसी बीच डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या के आदेश पर आनन–फानन में विद्या नगर से होते हुए ककरहवा को जोड़ने वाली सड़क का निर्माण कार्य चालू हो गया।

बदहाल सड़क से लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था जनप्रतिनिधियों से शिकायत करने के बावजूद भी आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया था।

विकास खंड मनकापुर के अंतर्गत कहोबा से होते हुए मोतीगंज के विद्यानगर कस्बे से बक्तोरीपुरुवा, पर्वीसौ, रामपुर, पंडित पुरवा,ककरहवा को जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि,लगभग 10 वर्ष पूर्व इस सड़क पर निर्माण कार्य हुआ था लेकिन कुछ ही दिनों बाद सड़क खंडहरों में तब्दील हो गई थी लेकिन अब इस सड़क पर निर्माण कार्य शुरू हो जाने से हम लोगों को काफी खुशी है। भाजपा प्राणित कामगार कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक ने बताया कि माताजी के निधन के बाद घर पर लोगों का आना जाना लगा था इस खस्ताहाल सड़क पर आने जाने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसको लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या जी से कहा गया तो उन्होंने तुरंत अधिकारियों को फटकार लगाई और सड़क के मरम्मत और निर्माण के लिए तुरंत आदेश कर दिया और सड़क निर्माण कार्य चालू हो गया लोगों में और गांव वालों में सड़क निर्माण कार्य चालू होने से काफी खुशी है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के विरुद्ध निष्पक्ष कार्यवाही की मांग

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा,गोण्डा। पत्रकारों द्वारा किए जा रहे कवरेज के दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा उर्फ टेनी द्वारा किए गए बदसलूकी सहित समस्त पत्रकारों के प्रति अपमान जनक शब्दों का प्रयोग किए जाने से आक्रोशित ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन गोण्डा द्वारा दिनांक 16 दिसम्बर 2021 को प्रधानमंत्री

को संबोधित 04 सूत्रीय ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता को सौंप कर कार्यवाही की मांग उठाई गई है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन गोण्डा के जिलाध्यक्ष व विधान केसरी समाचार पत्र के जिला संवाददाता संतोष शर्मा के नेतृत्व में दर्जनों पत्रकार बंधुओं ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर प्रधानमंत्री को संबोधित 04 बिंदुओं का ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से कहा गया कि लखीमपुर के सांसद/केंद्रीय गृह राज्य मंत्री द्वारा कवरेज कर रहे पत्रकार से बदसलूकी कर समस्त पत्रकारों पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। इतना ही नही गुंडई करके मारने के लिए धक्का देकर अभद्र भाषा का प्रयोग करके मोबाईल फोन छीना गया व समस्त पत्रकारों पर अपमान जनक भाषा का प्रयोग किया गया जिससे देश व प्रदेश के समस्त पत्रकारों को बहुत बड़ा आघात पहुंचा है। आक्रोशित पत्रकारों ने ऐसा शर्मनाक कृत्य करने वाले केंद्रीय गृह राज्यमंत्री को मंत्री पद से कार्यमुक्त करते हुए उनके विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज कराने की मांग उठाई है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि सरकारी कर्मचारियों के कार्य में बाधा डालने पर अभियोग दर्ज होता है ठीक उसी प्रकार पत्रकारों के कार्य में बाधा डालने व खलल डालने वालों के विरुद्ध अभियोग दर्ज किए जाने हेतु कानून पारित किया जाय। ज्ञापन में पत्रकारों के भरण पोषण को दृष्टिगत रखते हुए आर्थिक सहायता/मानदेय का निर्धारण कर पत्रकार सुरक्षा कानून बनाए जाने की मांग उठाई गई। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि यदि शीघ्र ही पत्रकार बन्धुओं के माँगो को स्वीकार कर कार्यवाही नही की जाती है तो जनपद स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री विजय सोनी, जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह ,जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार शुक्ल , जिला उपाध्यक्ष रंजीत तिवारी,जिला संयोजक राकेश चौधरी , जिला सचिव मनोज सोनी ,जीतलाल गोस्वामी,विनय मिश्रा,अशद आरिफ, शशिधर पांडेय,प्रमोद शुक्ला व मोतीगंज से सुरेश तिवारी ,प्रेम गुप्ता ,अजीजुद्दीन सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

विपक्ष के हंगामे के चलते राज्यसभा की बैठक दोपहर दो बजे तक स्थगित

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। राज्यसभा में 12 सदस्यों का निलंबन वापस लेने की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे की वजह से बश्हस्पतिवार को बैठक शुरू होने के करीब दस मिनट बाद ही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति एम वेंकैया नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। उन्होंने सूचित किया कि कुछ सदस्यों की ओर से उन्हें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए नियत कामकाज स्थगित करने के अनुरोध वाले नोटिस मिले हैं जिन्हें उन्होंने स्वीकार नहीं किया है।

इसके बाद उन्होंने शून्यकाल शुरू करने को कहा। इसी बीच विपक्षी सदस्यों ने 12 सदस्यों का निलंबन रद्द किए जाने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के कुछ सदस्यों ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले को लेकर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' को बर्खास्त करने की मांग भी उठाई।

सभापति ने सदस्यों से शांत रहने और शून्यकाल चलने देने की अपील की लेकिन सदन में व्यवस्था बनते न देख उन्होंने 11 बज कर दस मिनट पर बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सभापति ने विजय दिवस के 50 साल पूरे होने पर 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में शहादत देने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों के पराक्रम और बलिदान को याद किया और कहा कि उन्होंने दमनकारी ताकतों का पूरे साहस के साथ मुकाबला किया जिसके बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आया।

नायडू ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच बहुत ही अच्छे संबंध हैं और वह इन रिश्तों के उत्तरोत्तर बढ़ने की कामना करते हैं।

गौरतलब है कि 1971 में आज ही के दिन पूर्वी पाकिस्तान के चीफ मार्शल लॉ एडमिनिस्ट्रेटर लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी और पूर्वी पाकिस्तान में स्थित पाकिस्तानी सैन्य बलों के कमांडर ने बांग्लादेश के गठन के लिए 'इंस्ट्रूमेंट ऑफ सरेंडर' पर हस्ताक्षर किए थे।

नियाजी ने ढाका में भारतीय और बांग्लादेश बलों का प्रतिनिधित्व कर रहे जगजीत सिंह अरोड़ा की उपस्थिति में ये हस्ताक्षर किए थे। 1971 में नौ महीने तक चले युद्ध के बाद पाकिस्तानी फौजों ने भारतीय बलों के समक्ष समर्पण कर दिया और बांग्लादेश अस्तित्व में आया था।

सीएचसी में फार्मेसिस्टों ने किया दो घंटे का कार्य बहिष्कार भटकते दिखे मरीज

मांगे पूरी न होने पर 17 से पूर्ण कार्य बहिष्कार की दी चेतावनी

कदौरा/जालौन। कदौरा सीएचसी में बुधवार की सुबह भी फार्मासिस्टो द्वारा अपनी मांगों को लेकर यूनियन की तर्ज पर दो घण्टे

का कार्य बहिष्कार करते हुए विरोध जताया गया जहां उस दौरान सीएचसी में पहुंचे मरीज दवा को लेकर परेशान दिखे वही उन्होंने कहा कि यदि मांगे पूरी नही होती तो इसी कार्य कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। ज्ञातव्य हो कि फार्मासिस्ट कदौरा में कर्मचारियों द्वारा काली पट्टी बांधकर 2 घंटे का कार्य बहिष्कार करते हुए बताया कि फार्मेसिस्ट राजकुमार मिश्र व विनोद गुप्ता ने बताया कि फार्मेसिस्ट संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की वेतन आदि की समस्याओं को लेकर 20 सूत्रीय मांगों पर प्रांतीय आवाहन पर आंदोलन चलाया जा रहा है। लेकिन हम लोगों की समस्याओं पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। बीते 9 दिसंबर से 16 दिसंबर तक प्रत्येक दिन फार्मेसिस्ट संवर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा काली पट्टियां बांधकर कार्य बहिष्कार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगर हम लोगों की मांगों पर ध्यान न दिया गया तो 17 दिसंबर से पूर्ण कार्य वहिष्कार किया जाएगा। फार्मेसिस्टो के कार्य वहिष्कार की वजह से चिकित्सालय में काम प्रभावित हो गया। तथा मरीज़ भटकते दिखाई दिए।मौके पर फ़ार्मासिस्ट विनोद कुमार व राज कुमार मिश्रा मौजूद रहे। एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय आवाहन पर 20 सूत्रीय मांगों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

यूपी विधानसभा सत्र के दूसरे दिन विपक्ष का हंगामा, कांग्रेस की टेनी मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग

लखनऊ, (वेब वार्ता)। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी विपक्षी दलों का हंगामा जारी है। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर कांग्रेस के विधायकों ने गुरूवार को प्रदर्शन किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा के नेतश्त्व में कांग्रेस के विधायकों ने प्रदर्शन किया। केन्द्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतश्त्व में लखनऊ में जीपीओ गांधी प्रतिमा से लेकर विधानसभा तक मार्च निकाला गया। इस दौरान कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता दीपक सिंह ने भी केन्द्रीय मंत्री की अभद्रता पर नाराजगी जताई। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि जब तक अजय कुमार मिश्रा टेनी को बर्खास्त नहीं किया जाएगा, हमारा विरोध जारी रहेगा। हम इस मुद्दे को बाहर भी उठाएंगे और विधानसभा में भी उठाएंगे। गौरतलब है कि बुधवार को लखीमपुर खीरी में केन्द्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी बुधवार को लखीमपुर हिंसा केस से जुड़े एक सवाल पर नाराज हो गए। केंद्रीय मंत्री ने एक इलेक्ट्रानिक चौनल के पत्रकार के सवाल पर पूरी मीडिया को अपशब्द तक कह दिया। किसी तरह से लोगों ने उनको शांत तो करा दिया, लेकिन तब तक इंटरनेट मीडिया पर उनकी अभद्र टिप्पणी का वीडियो वायरल हो चुका था।

लविप्रा के विशेष शिविर में हुई 16 रजिस्ट्री, मानचित्र के 29 प्रकरण हुए निस्तारित

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर आयोजित किये जा रहे तीन दिवसीय शिविर में एक ही पटल पर निस्तारित हुए जन मानस के प्रकरण

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा लोगों की सुविधा के लिए आज दिनांक 16.12.2021 से तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन शुरू हुआ। जिसमें रजिस्ट्री, नक्षे व कम्पाउडिंग के प्रकरणों को एक ही पटल पर निस्तारित किया गया। आज षिविर के पहले दिन 34 सम्पत्तियों का अनुमोदन किया गया, जिसमें से 16 आवंटियों द्वारा सम्पत्तियों की रजिस्ट्री कराई गई। इसी के साथ मानचित्र के 29 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर प्राधिकरण भवन के भूतल स्थित कमेटी हाल में आयोजित किये गये शिविर में लोगों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान उपाध्यक्ष ने षिविर में आकर लोगों से बातचीत की और वहां उपस्थित अधिकारियों को निर्देषित किया कि वे पूरा प्रयास करें कि शिविर में ही आवंटियों की समस्याओं का निस्तारण किया जा सके। प्राधिकरण के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि रजिस्ट्री षिविर में आवंटियों द्वारा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कराकर निबन्धन की कार्यवाही की गई। वहीं, मुख्य नगर नियोजक

नितिन मित्तल ने बताया कि मानचित्र षिविर में कुल 29 प्रकरणों का अलग–अलग निस्तारण किया गया। इसमें 12 मानचित्र स्वीकृत किये गये, 5 मानचित्र निर्गत हुए तथा 6 प्रकरणों में आपत्तियों का निस्तारण किया गया। इसके अलावा लैण्ड यूज से सम्बन्धित 2 प्रकरण निस्तारित किये गये। उन्होंने बताया कि 4 मामले साफ्टवेयर से सम्बन्धित थे, जिनके निराकरण हेतु मेसर्स साफ्टेक के प्रतिनिधि को निर्देषित किया गया। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि आज माह के तीसरे गुरूवार को प्राधिकरण दिवस का भी आयोजन किया गया। इसमें कुल 38 प्रकरण आये, जिनके समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देषित किया गया।

अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन में भाग लेने वाराणसी पहुंचेंगे 100 महापौर

वाराणसी, (वेब वार्ता)। काशी विश्वनाथ धाम परियोजना के उद्घाटन के बाद महीने भर चलने वाले समारोह की शुरुआत करते हुए देश के 100 से अधिक शहरों के महापौर शुक्रवार को होने वाले अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार से वाराणसी पहुंचेंगे। यह आयोजन उद्घाटन के बाद के इवेंट की श्रश्ंखला का एक हिस्सा है। महापौर काशी के विकास का अध्ययन करने के अलावा जीर्णोद्धार और विस्तारित श्री काशी विश्वनाथ धाम का भी दौरा करेंगे। शुक्रवार की सुबह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीन दयाल उपाध्याय–व्यापार सुविधा केंद्र (डीडीयूटीएफसी) में अपने सम्मेलन की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए महापौरों को संबोधित करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी मौजूद रहेंगे।

उत्तर प्रदेश के शहरी विकास मंत्री आशुतोष टंडन ने कहा, अखिल भारतीय महापौर परिषद के सहयोग से शहरी विकास विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए 100 से अधिक महापौरों ने काशी जाने के लिए अपनी सहमति भेजी है। प्रधानमंत्री सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और वर्चुअली महापौरों को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन की शुरूआत से पहले, मुख्यमंत्री और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री डीडीयूटीएफसी में उत्तर प्रदेश शहरी विकास विभाग की उपलब्धियों पर तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन का आयोजन नए शहरी भारत की थीम पर किया जा रहा है। आयोजन की शुरुआत में यूपी में शहरी अवसरों और विकास पर एक लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी।

काशी के विकास पर फिल्म का प्रदर्शन स्थानीय प्रशासन, वाराणसी नगर निगम और स्मार्ट सिटी वाराणसी भी करेंगे।

पुणे और सूरत के मेयर स्वच्छ भारत मिशन और एएमआरयूटी पर प्रस्तुति देंगे। पांच महापौरों के समूह बनाए जाएंगे और प्रत्येक समूह शहरी विकास के मुद्दों पर समूह चर्चा करेगा और इसके परिणामों पर एक प्रस्तुति तैयार की जाएगी।

टंडन ने कहा कि काशी और उनके विभाग के पास इस आयोजन के साथ–साथ प्रदर्शनी के लिए शहरी विकास के मोर्चे पर उपलब्धियों की एक लंबी सूची है।

शहरी आवास के क्रियान्वयन, स्वानिधि योजना के तहत छोटे दुकानदारों को ऋण सुविधा, उत्तर प्रदेश के 13 प्रमुख शहरों में शुरू की गई सीवेज और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट प्रबंधन के लिए एक शहर एक ऑपरेटर की योजना, 18 स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त करने में विभाग का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है।

देश के विभिन्न हिस्सों से महापौरों का आगमन गुरुवार से शुरू होगा और शाम को वे पड़ाव स्थित डीडीयू स्मारक जाएंगे, जहां से वे दशाश्वमेघ घाट पर गंगा आरती देखने जाएंगे।

पेट्रोल और डीजल में 42 वें दिन स्थिरता

नयी दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में तेजी के बावजूद आज लगातार 42 वें दिन देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी रही। दिल्ली में गत दो दिसंबर को वैट में कमी किये जाने के कारण पेट्रोल की कीमतें करीब आठ रुपये प्रति लीटर कम हुआ था और उसके बाद से दिल्ली में पेट्रोल 95.41 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 86.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। आज सिंगापुर में लंदन ब्रेंट क्रूड 0. 85 प्रतिशत की तेजी के साथ 74.51 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.04 प्रतिशत बढ़कर 71.61 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा। केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपये तथा 10 रुपये प्रति लीटर की कमी करने से देश में इसकी कीमतों में कमी आयी थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश, कर्नाटक सहित देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इन दोनों उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) में कमी की थी। घरेलू बाजार में 42 वें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। राजधानी दिल्ली में वैट कम किये जाने के कारण इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के पंप पर पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल के दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर पर टिके रहे। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।